



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	07.08.2020	02	03-06

एचएयू स्थित एबिक सेंटर की ओर से ओरिएंटेशन प्रोग्राम, प्रो. समर सिंह ने रखे विचार किसान को पिछले 70 वर्षों में वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए जिसके हकदार हैं

भास्कर न्यूज़ | हिसार

किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय स्थित एबिक सेंटर की ओर से ऑनलाइन आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए जिसका वह हकदार हैं। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा, उस दिन उनका सपना साकार होगा। एबिक उत्तर भारत



कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व उपस्थित एबिक के अधिकारी।

का इकलौता ऐसा केंद्र है, जहां कृषि उठाने का आह्वान किया। इस दौरान की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने कार्यक्रम के शुभारंभ पर कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है की संचालक व एबिक एवीआई और केवल एक साल के कार्यकाल मैनेजर निशा मलिक फौगट ने पूरी में ही समाज के लिए बहुत कुछ टीम का परिचय करवाते हुए सभी किया है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित हार्दिक चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में जानकारी दी। एबिक सेंटर ओरिएंटेशन प्रोग्राम का फायदा सह संचालक कस्टमर केयर मैनेजर ट्रिवंकल मंगत, अर्पित तनेजा व विक्रम सिंधु भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	07.08.2020	12	06-08

अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

हरिभूमि न्यूज ||| हिसार

किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। उक्त विचार हक्कि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

■ हक्कि में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्युबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एबिक द्वारा किये जा रहे हर प्रयास को सफल करने से विश्वविद्यालय पीछे

नहीं हटेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ऑरियंटेशन प्रोग्राम का अधिक से अधिक फायदा उठाने का आह्वान किया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। कार्यक्रम की संचालक व एबिक एवीआई मैनेजर निशा मलिक फोगाट ने पूरी टीम का स्वागत किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	07.08.2020	03	03-05

नाइट्रोजन आक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : प्रो. समर सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं, जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। किसानों को पराली जलाने की बजाय उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए।

यह बात एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर वीरवार को आयोजित ऑनलाइन वक्तव्य

शृंखला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन जलवायु विश्वविद्यालय

के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत किया गया था। वीसी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्वक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबंधन एक समस्या है। पराली के जलाने से

देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम : कुलपति

हिसार। किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। यह बात एचएयू के कुलपति



प्रो. समर सिंह ने वीरवार को एविक सेंटर द्वारा आयोजित ओरियेंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफॉर्म उपलब्ध नहीं करवा पाए, जिसका वह हकदार है। जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा, उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एविक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है, जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। कार्यक्रम में एविक एबीआई मैनेजर निशा मलिक फौगट, सीईओ हार्डिक चौधरी, नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि, कस्टमर केयर मैनेजर ट्रिवंकल मंगल, अर्पित तनेजा व विक्रम सिंधु आदि मौजूद रहे।

सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वर्मिंग होती है। प्रो. सिंह ने बताया कि विवि में इसके लिए इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीवेस्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है, जो जल्द ही धान पराली प्रबंधन शुरू कर किसानों की पराली प्रबंधन की समस्या को काफी हद तक हल करने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस वक्तव्य शृंखला का आयोजन 16, 23, 30 जुलाई व 6 अगस्त को किया गया था। इसके मुख्य वक्ता यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड, आस्ट्रेलिया में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड साइंस में कार्यरत डॉ. यशदांग थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	07.08.2020	04	06-07

देश के अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम : कुलपति हक्की में स्थित एबिक सैंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

हिसार, 6 अगस्त (ब्यूरो): किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। उक्त विचार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे।

वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सैंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए, जिसका वह हकदार है।

प्रो. सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान 5 सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने



एबिक सैंटर में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व उपस्थित एबिक के अधिकारी व कर्मचारी।

कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। एबिक के सी.ई.ओ. हार्टिंक चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में जानकारी दी। एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा राजी ने एबिक में नए एग्री स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

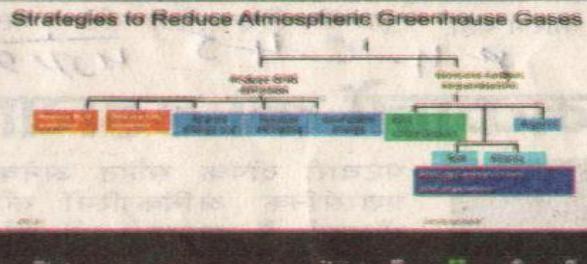
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	07.08.2020	04	04-05

नाइट्रोजन ऑक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : प्रो. समर सिंह

हिसार, 6 अगस्त (ब्यूरो): पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक ऑनलाइन व्यक्तव्य दे रहे थे। इसका आयोजन विश्व-विद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोक तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त

तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबंधन एक समस्या है। पराली के जलाने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पड़े अवशेष जलाने से पोषक तत्वों की हानि भी होती है। प्रो. सिंह ने कहा कि उचित प्रबंधन द्वारा इन पोषक तत्वों को वापस भूमि में फसल उत्पादन के लिए लिया जा सकता है। इस दौरान डॉ. यशदांग ने कुलपति प्रो. समर सिंह से धान की पराली प्रबंधन पर विशेष बातचीत की।



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07.08.2020	04	07-08

नाइट्रोजन ऑक्साइड व मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोक्तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत हुआ। इसमें कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन

को अपनाना चाहिए। इस व्यक्तिय श्रृंखला के मुख्य वक्ता आस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ वीनसलैंड से डा. यशडांग रहे। डा. यशडांग ने कुलपति प्रो. समर सिंह को बताया कि पराली जलाने पर वैश्विक स्तर पर जलवायु व भूमि के सूक्ष्म जीवों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने छात्रों व वैज्ञानिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप व शोध के लिए फंडिंग के बारे में विस्तार से बताया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. आशा कवात्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलोशिप प्राप्त करने में मद्द मिलेगी व छात्रों का अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07.08.2020	04	06

एबिक सेंटर के जरिये स्वरोजगार तैयार करने की दी जानकारी

जास्ट, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन औरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित हुआ। इसमें प्रतिभागियों से रूबरू होते हुए कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है। किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए जिसका वह हकदार है। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है, जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। कार्यक्रम का संचालन व एबिक एबीआइ मैनेजर निशा मलिक फोगाट, सीईओ हार्डिंग चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने कुलपति का स्वागत करते हुए एबिक में नए एग्री स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में कार्यरत आरकेवीवाई के पहल व सफल प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07.08.2020	03	06-08

मानसून फिर से सक्रिय, मौसम हुआ सुहाना, छाए पहाड़ से काले बादल

जागरण संवाददाता, हिसार: प्रदेश में दक्षिण पश्चिम मानसून एक बार फिर से सक्रिय दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों से नमी वातावरण में पहले से ही मौजूद थी तो गर्मी ने तापमान बढ़ा रखा था, जिसके कारण वीरवार को एक डिस्टर्बेंस तैयार हुआ। जिसके कारण मौसम में परिवर्तन हुआ, जिससे मौसम सुहाना हो गया। यही नहीं आसमान में सायं से ही धनधोर काले पहाड़ से बादल दिखाई दिए। हिसार में दिन के समय तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तो न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

8 अगस्त तक मौसम परिवर्तनशील रहने की

विज्ञानियों ने 9 अगस्त से 11 अगस्त के बीच प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी वरसात होने की संभावना जताई

संभावना: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खिचड़ ने बताया कि बंगल की खाड़ी में बनने वाले एक निम्न दबाव के क्षेत्र से मानसूनी हवाओं की सक्रियता मध्य एवं दक्षिण पश्चिमी भारत में ज्यादा रहने की संभावना है, जिससे हरियाणा राज्य की तरफ आने वाली कमज़ोर मानसूनी हवाएं से 8 अगस्त तक राज्य में मौसम

आमतौर पर परिवर्तनशील रहने, बीच-बीच में बादलवाई आने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

इस दौरान वातावरण में नमी अधिक होने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने से कहीं -कहीं गरज-चमक वाले बादल बनने से कुछ एक स्थानों पर हवाओं के साथ हल्की बारिश भी संभावित है। बंगल की खाड़ी में एक और कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना से 8 अगस्त से मानसूनी हवाओं की फिर से मैदानी क्षेत्रों की तरफ सक्रियता बढ़ने की संभावना है, जिससे 9 अगस्त से 11 अगस्त के बीच राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.08.2020	--	--

नाइट्रोजन ऑक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : प्रो. समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक ऑनलाइन व्यक्तव्य लृंखला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोकत्तर कार्यालय व अंतर्राष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली

प्रबंधन एक समस्या है। पराली के जलाने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पड़े अवशेष जलाने से पौष्कर तत्वों की हानि भी होती है।

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र सिंह ने बताया कि इस दौरान डॉ. यशदांग ने कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से धान की पराली प्रबंधन पर विशेष बातचीत की जिसमें उन्होंने बताया कि पराली जलाने पर वैश्विक स्तर पर जलवायु व भूमि के सूक्ष्मजीवों पर बुरा प्रभाव पड़ता है जिसके लिए नाइट्रोजन व मीथेन गैस मुख्य घटक हैं। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फैलोशिप प्राप्त करने में मदद मिलेगी व छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.08.2020	--	--

देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम् : कुलपति समर सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए जिसका वह हकदार है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एबिक



हिसार। एबिक सेंटर में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व उपस्थित एबिक के अधिकारी व कर्मचारी।

द्वारा किये जा रहे हर प्रयास को किसानों और प्रथम पीढ़ी के सफल करने से विश्वविद्यालय पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम का अधिक से अधिक फायदा उठाने का आह्वान किया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायता होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एपी बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, एपी स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में कार्यरत आरक्षेवीवाई के पहल व सफल प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी। एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने स्टार्टअप के नवीन विचारों के बारे में बताते हुए इसके छह महत्वपूर्ण स्टंपों के बारे में बताया। इस दौरान वेबिनार में सह संचालक कस्टमर केयर मैनेजर टिवंकल मंगल, अपित तनेजा व विक्रम सिंधु भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	06.08.2020	--	--

पराली के जलने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है: कुलपति

हिसार/06 अगस्त/रिपोर्ट

पराली जलने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। यह बात जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक आँनलाइन व्यक्तव्य श्रृंखला को संबोधित करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान विभाग, निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, और अनुसंधान विभाग के अवशेष जलाने से पोषक तत्वों की हानि भी होती है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि उचित अवशेष जलाने से पोषक तत्वों को वापिस भूमि में फसल उत्पादन के लिए लिया जा सकता

अधिकाता स्नातोकतर कार्यालय व अंतर्राष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन प्रबंधन का कार्य शुरू कर किसानों की पराली प्रबंधन की समस्या को काफी हद तक हल करने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. यशदांग ने बताया कि इस वैश्विक मुद्रा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबंधन एक समस्या है। पराली के जलाने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पढ़े श्रृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. यशदांग थे जो यूनिवर्सिटी ऑफ क्वानसलैड, आस्ट्रेलिया में एक वैश्विक मुद्रा, भूमि और जलवायु परिवर्तन का विवेचन किया गया है जो जलद ही धान पराली परिवर्तन के विरोध में हमारे साथी, जलवायु परिवर्तन में नाइट्रोजन व जलवायु परिवर्तन में मिथन पर अपने व्यक्तव्य दिए। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र सिंह ने परिवर्तन के विरोध में हमारे साथी, जलवायु परिवर्तन में नाइट्रोजन व जलवायु परिवर्तन में मिथन पर अपने व्यक्तव्य दिए। अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेसर समर सिंह से धान की पराली प्रबंधन पर विशेष बातचीत की जिसमें उन्होंने बताया कि पराली जलाने पर वैश्विक स्तर पर जलवायु व भूमि के सूक्ष्मजीवों पर बुरा प्रभाव पड़ता है जिसके लिए नाइट्रोजन व मीथेन गैस मुख्य घटक हैं। उन्होंने छात्रों व वैज्ञानिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप व शोध के लिए फॉंडिंग के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	06.08.2020	--	--

देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की अहम भूमिका : प्रो. सिंह

हक्कीवि में स्थित एविक सेंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

नित्य शक्ति टाईम्स न्यूज़

हिसार। किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान को मेहनत का कोई साधा नहीं है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृष्णपुर्ण प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एविक सेंटर द्वारा अनिलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह एटेप्टर्सम उपलब्ध नहीं करवा पाए, जिसका वह हक्कदार है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पर्यावरणीय होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एविक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा बैंड है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यक्रम में ही समाप्त के लिए बहुत कुछ किया है।



उन्होंने इनकम्युनिटी को येहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे से जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एविक द्वारा किये जा रहे हर प्रयास को सफल करने से विश्वविद्यालय पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने सभी क्रितिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम का अधिक से अधिक फायदा उठाने का आह्वान किया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मप्रिभर बनाने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एयरी बिजिनेस इनकम्युनिट सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रधम पीढ़ी के एटरप्रेनरों को आगे से जाने में मददगार हो रहा है। इस दीर्घन कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम की निशा मिलिक फोगाट ने पूरी टीम का

परिचय कराया हुए सभी का स्वागत किया। एविक के सोइंडो हार्डिंग चौधरी ने एविक संस्थान के बारे में कहा कि एविक समर सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैधिक मुद्दा है और उत्तर भारत में भान की पराली प्रबन्धन एक समस्या है। उत्तरी के जनने से सास लेने योग्य वायु का सर गिरता है व तापमान में बढ़िद के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पहें अवशेष जलाने से पौधक तत्वों की हानि भी होती है।

नाइट्रोजन ऑक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : कुलपति

हिसार (नित्य शक्ति टाईम्स न्यूज़)। पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक समीक्षा हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके ऊपर विवरण को अपनाना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक अनिलाइन व्यक्तिय लूंगखला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिकारी व्यापारोक्त कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय मंयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उत्तर विश्व विद्योजना' के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैधिक मुद्दा है और उत्तर भारत में भान की पराली प्रबन्धन एक समस्या है। उत्तरी के जनने से सास लेने योग्य वायु का सर गिरता है व तापमान में बढ़िद के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पहें अवशेष जलाने से पौधक तत्वों की हानि भी होती है।

इनोवेशन सेंटर फॉर एपीवेस्ट मैनेजमेंट होगा मददगार

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में इसके लिए इनोवेशन सेंटर फॉर एपीवेस्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है जो जल्द ही भान पराली प्रबन्धन का कार्य शुरू कर किसानों की पराली प्रबन्धन की समस्या को काफी हल तक हल करने में आगे अहम भूमिका निभाएगा। इस व्यक्तिय लूंगखला का आयोजन 16, 23, 30 जुलाई व 6 अगस्त को किया गया था। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक जी. एस.के. महाराव ने बताया कि इस व्यक्तिय लूंगखला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिक समुदाय के लिए अनिलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जलवायु परिवर्तन पर महत्वपूर्ण जानकारियां आदान-प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस व्यक्तिय लूंगखला के मुख्य वक्ता जी. यशांग थे जो यूनिवर्सिटी अफ कॉनसल्टेंट, अस्ट्रेलिया में मूल ओफ एपीकल्चर एंड फूड सार्वस में कार्यरत हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.08.2020	--	--

हिसार/अन्य

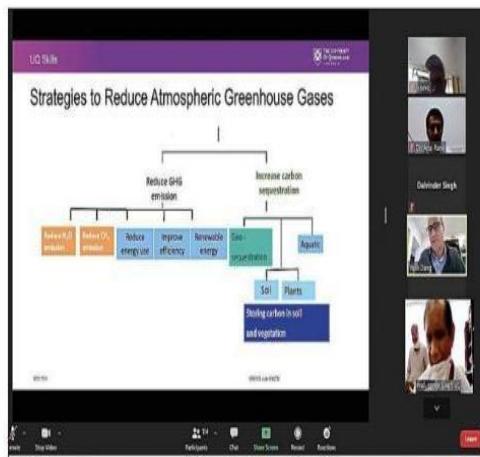
पांच बजे 3

पराली जलाने से निकलती हैं जहरीली गैसें, पराली प्रबंधन अपनाने का आह्वान

नाइट्रोजन ऑक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज़

हिसार। पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। उत्तर विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलालित प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय लंगुला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूम्ब जीव विज्ञान विभाग, अधिकृत सातोकरत कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धन की पराली प्रबंधन एक



समस्या है। पराली के जलाने से सांस लेने समर सिंह ने कहा कि उचित प्रबंधन द्वारा इन योग्य वायु का स्तर नियंत्रित होता है व तापमान में पौष्टक तत्वों को वापिस भूमि में फसल वृद्धि के कारण लोबल वापिस होती है। उत्पादन के लिए लिया जा सकता है। इसके साथ-साथ धन में पड़े अविशेष जलाने से पौष्टक तत्वों की हानि भी होती है। प्रोफेसर

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में परिवर्तन के विशेष में हमारे साथी, जलवायु परिवर्तन में नाइट्रोजन सेंटर फॉर एप्लीकेशन मैनेजमेंट स्थापित किया गया है जो जल्द ही धन पराली प्रबंधन का कार्य शुरू कर किसानों की पराली प्रबंधन की समस्या को कामभी हृद तक हल करने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। इस व्यक्तव्य लंगुला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विशेषज्ञ द्वारा वैज्ञानिक समुदाय के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जलवायु परिवर्तन पर महत्वपूर्ण जानकारियां आदान-प्रदान अधिकारी डॉ. आशा बवानी ने कहा कि कहा है। उन्होंने बताया कि इस व्यक्तव्य लंगुला के मुख्य वक्ता डॉ. यशदांग थे जो यूनिवर्सिटी ऑफ क्रीनसलैंड, आस्ट्रेलिया में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड पूढ़ साइंस में कार्यरत हैं। डॉ. यशदांग ने जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा, भूमि और जलवायु में 100 से ज्यादा प्रतिशतों ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	06.08.2020	--	--

देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम् : प्रोफेसर समर सिंह

August 6, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एविक सेंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित हिसार : 6 अगस्त

किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एविक सेंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफॉर्म उपलब्ध नहीं करवा पाए जिसका वह हकदार है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एविक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहाँ कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यक्रम में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है।



उन्होंने इनकायूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एविक द्वारा किये जा रहे हर प्रयास को सफल करने से विश्वविद्यालय पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम का अधिक से अधिक फायदा उठाने का आह्वान किया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति के स्वाक्षिणी व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एवी विजिनेस इनकायूबेशन सेंटर देश के मुद्राओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। इस दौरान कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम की संचालक व एविक एवीआई मैनेजर निशा मलिक फोगाट ने पूरी टीम का परिचय करवाते हुए सभी का स्वागत किया। एविक के सीईओ हार्दिक चौधरी ने एविक संस्थान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। एविक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने कुलपति का स्वागत करते हुए एविक में नए एवी स्टार्टअप को गिलजे वाली सहायता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में कार्यरत आरकेवीवाई के पहल व सफल प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी। एविक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने स्टार्टअप के नवीन विचारों के बारे में बताते हुए इसके छह महत्वपूर्ण संभावनाएं के बारे में बताया। इस दौरान वैज्ञानिक में सह संचालक कर्स्टमर केवर मैनेजर ट्रिंकल मंगल, अपूर्ण लनेजा व विक्रम सिंधु भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	06.08.2020	--	--

बागवानी फसलों में सूखकृमि की समस्याएं और उनके समाधान पर होगा मर्यादित

Posted on August 6, 2020 by Admin. (<https://dmsejung.com/?author=1>). |

हिसार, राजनन्द अवधारात् चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें बागवानी फसलों में सूखकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मर्यादित होगा। यह जानकारी दोनों वेबिनार के संयोजक एवं सूखकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने दराया कि यह वेबिनार विश्वविद्यालय के कलपाति प्रोफेसर समर सिंह के द्वितीय निर्देश व कृशल नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि से इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोफेसर कोर्डिनेटर डॉ. आर.के.वालिया होंगे। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के.सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आर.एस. कंवर ने दराया कि इस वेबिनार में बागवानी फसलों में सूखकृमि दोमारी गी समस्याएं और उनके समाधान वो लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार संझा करेंगे। उन्होंने दराया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कलपाति महोदय के मार्गदर्शन में समय-समय पर किसानों के हितों के लिए इस तरह के आयोजन करते रहते हैं ताकि किसानों को किसी भी फसल संबंधी कोई समस्या न आए और उनका आर्थिक विकास हो। इस वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अगिल कुमार व डॉ. जे.ए. पाटिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	06.08.2020	--	--

महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा

Posted on August 6, 2020 by Admin (<https://umsebjug.com/?author=1>). |

हिसार, राजनेत्र अयोवल: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कलमपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कशल नेतृत्व में किया जाएगा। स्नानपान सम्पादक के अवसर पर शास्त्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजनाओं के सहयोग से आयोजित इन प्रतियोगिताओं को गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमल टांडा की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पोस्टर मकिंग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ यह के लिए स्नानपान को बढ़ावा देना है, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिताओं के परिणाम भाग्यले दिन निकाले जाएंगे। विभागाध्यक्षा ने बताया कि सभी प्रतियोगियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।